****

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट

1 अप्रैल,2021 से 31 मार्च,2022

** **********

गठन व पृष्ठभूमि

मंडी जिला में साक्षरता अभियान की शुरूआत के लिए प्रयास हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए अभियान से पहले हो चुके थे। बहुचर्चित भोपाल गैस कांड ने जब सारे देश को हिला कर रख दिया था, तब राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों, लेखकों व कलाकारों को मंच पर इकट्ठा करने की जरूरत महसूस हुई। वर्ष 1987 में 26 संगठनों ने अपने आपको अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के रूप में संगठित किया ताकि लोगों को वैज्ञानिक तौर तरीकों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति बेहतर समझ विकसित की जा सके तथा समाज के विकास में उनके योगदान के प्रति अवगत करवाया जा सके। समाज में इस सोच को विकसित करने के लिए वातावरण निर्माण की जरूरत थी जो कला जत्थे कार्यक्रम ने पूरी की। पूरे देश में पांच क्षेत्रीय कला जत्थों को प्रशिक्षित किया गया तथा उनके द्वारा 25हजार कि.मी. की दूरी तय कर 500 से ज्यादा स्थानों पर कार्यक्रम दिखाये गये। यह कार्यक्रम यूं तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी दिखाए गए। परंतु मंडी के लिए ये कार्यक्रम खास इसलिए थे क्योंकि मंडी के एक साथी कुलदीप गुलेरिया इसमें शामिल थे। जिला में कुछ जागरूक नवयुवकों में कुछ कर गुजरने का जुनून सा सवार हो गया। साक्षरता अभियान एक ऐसा माध्यम होगा जिसके जरिये देश के पिछड़े, दबे कुचले व शोषित आदमी तक पहुंचा जा सकता है। इस अभियान की लोकप्रियता के लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को केरल के अर्नाकुलम जिले में चले साक्षरता अभियान आदर्श मॉडल के रूप में मिला।

वर्ष 1990 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष के रूप में मनाया गया। भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से आत्म निर्भरता व राष्ट्रीय एकता के लिए विज्ञान और साक्षरता का नारा देकर देश के लगभग 6 लाख गांवों में साठ हजार केन्द्रों में भारत ज्ञान विज्ञान जत्थे आयोजित करने का आहवान किया। मंडी जिला भी इससे अछूता नहीं रहा। साक्षरता दूत के रूप में राजेन्द्र मोहन और भूपेन्द्र सिंह ने कला जत्थे की अगुवायी की। 25जून,1990 को जिला स्तरीय सम्मेलन में ही एक कला जत्थे का गठन हुआ जो थोड़े से प्रशिक्षण के बाद गांव गांव में साक्षरता की मशाल जलाने चल पड़ा। उसी जत्थे ने लोगों में साक्षरता के विषय को चर्चा का मुद्दा बनाया। जत्थे द्वारा तैयार नाटक कथा रामदीन के मुख्य पात्र रामदीन में गांव वालों को अपना अक्स नजर आया। तत्तकालीन उपायुक्त डा. अशोक रंजन बसु की अध्यक्षता में भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई का गठन किया गया। मंडी में यहीं से साक्षरता अभियान का सूत्रपात हुआ।

साक्षरता की लौ का प्रज्ज्वलन

मंडी जिले में साक्षरता अभियान के लिए जमीन पहले से तैयार हो चुकी थी। भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई पहले से मौजूद थी। परंतु हिन्दी के वरिष्ठ लेखक व सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. सुंदर लोहिया ने इस अभियान में जुड़ने की सहमति मिलने से साक्षरता के कार्य व जागरूक नवयुवकों को अधिक बल मिला। प्रो. लोहिया हालांकि सेवानिवृति के पश्चात पत्र पत्रिकाओं के प्रकाशन से अपने को जोड़ कर लोगों में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करने का मन बना रहे थे परंतु जिले के जनूनी नौजवानों का साक्षरता के प्रति रूझान व उनकी साक्षरता अभियान से जुड़ने की अपील को भी वे ठुकरा न सके। बहस दर बहस के बाद उनकी सहमति मिल पाई। प्रो. लोहिया की सहमति मिलते ही जिले में साक्षरता अभियान चलाने के लिसे विचार विमर्श शुरू हो गया।

यह वह समय था जब साक्षरता कर्मियों के पास न तो अपना दफतर था न ही बैठने की कोई ऐसी जगह, जहां पर बैठकर इस अभियान की कार्य योजना बनाई जा सके। ऐसी विकट परिस्थिति में साहित्यकारों की मिलन स्थली की दुकान "अलंकार" काम आयी। जहां बैठकर इस विषय पर बातचीत की जाती थी। दूसरी तरफ साक्षरता अभियान की मूल भावना को जिला प्रशासन को समझने में काफी मेहनत करनी पड़ी। क्योंकि तत्कालीन उपायुक्त श्री अजय मितल इस बात से सहमत नहीं थे कि एक साथ पूरे जिले में साक्षरता अभियान चल सकता है। उनका तर्क था कि पहले एक पंचायत को साक्षर करके दिखाओं, तब मेरे पास आना। जबकि अभियान की प्रकृति के अनुसार जिला स्तर पर साक्षरता का काम शुरू होना था साथ ही उपायुक्त का इस समिति का अध्यक्ष बनना भी जरूरी था।

मंडी साक्षरता समिति का गठन

सरकार ने पूरे प्रदेश के लिए संपूर्ण साक्षरता अभियान की परियोजना राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा स्वीकृत करवा ली थी। प्रदेश में इसकी शुरूआत 14 जून,1992 को हिमाचल विश्व विद्यालय के सभागार में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेकटरमन द्वारा साक्षरता ज्योति प्रज्जवलित की गई। परंतु जिला मंडी में 5फरवरी,1992 को विधिवत ढंग से मंडी साक्षरता समिति का गठन सोसायटी एक्ट 1860 के तहत कर दिया गया था। तत्कालीन अतिरिक्त उपायुक्त श्री जी.एस.राठौर समिति के अध्यक्ष बने और प्रो. सुंदर लोहिया सचिव बनाए गए। फरवरी माह में ही मंडी जिला के लिए अलग से साक्षरता परियोजना तैयार की गई। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद जन सहयोग व इधर उधर से पैसा इकठ्ठा करके निरक्षरता के खिलाफ पढ़े–लिखे लोगों को एकजुट करने का प्रयास शुरू हो चुका था।

मंडी साक्षरता समिति द्वारा पहले चरण में सदर, सुंदरनगर तथा रिवालसर में अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। दूसरे चरण में बाकि के सात खडों में अभियान चलाया गया। चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाने का उद्देश्य यह था कि प्रथम चरण के अनुभवों का दूसरे चरण में लाभ उठाया जा सके तथा जो खामियां रहेगी उन्हें दोहराया न जा सके। समिति के गठन के चार माह बाद जब पूरे राज्य में साक्षरता ज्योति को रवाना किया गया तब जून माह में ज्योति के मंडी पहुंचने पर विशाल जलूस निकाला गया।

साक्षरता अभियान के दौरान जुड़ा स्वयंसेवीयों के काफिले को जन जुड़ाव व विभिन्न स्तरों पर समिति के साथ जुड़ चुके जन समुदाय को मँच की आवश्यकता थी। साक्षरता अभियान पूर्ण हो चुका था। अतः समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि साक्षरता अभियान की परिभाषा के दुसरे बिन्दू जिसमें ''अपनी बदहाली के कारणों को समझना व इनसे मुक्ति की दिशा में संगठित होकर प्रयास करना'' इस बिन्दु की समझ के अनुसार **18 दिसम्बर,2003** में समिति का नाम बदलकर मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति रखा गया ताकि शिक्षा के साथ विकास के मुद्दे जुड़ सके। कपार्ट द्वारा प्रायोजित परियोजना जल स्त्रोतों का संरक्षण एवम् रखरखाव का कार्य किया। 1999 में समिति के साथ ज्यादातर महिलाओं का जुड़ाव हुआ था। इस जन जुड़ाव को गाँव स्तर पर ईकाई में बदलना था। अतः पिछले कार्य के अनुभव के आधार पर मण्डी में स्वयं सहायता समूह बनाने का निर्णय लिया गया। 2002 में राष्ट्रीय कृषि एवम् ग्रमीण विकास बैंक के साथ जुड़कर विभिन्न परियोजनाओं में कार्य किया जा रहा है जिसमें स्वयं सहायता समूह ,किसान क्लब, संयुक्त देयता समूह, गाँव विकास कार्यक्रम, वित्तीय साक्षरता अभियान, लोहागिरी कलस्टर विकास, थाची, मुख्य है। 2009 में सूक्ष्म बीमा कार्य जीवन निगम के साथ शुरू किया है। इसके अलावा सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान,मनरेगा आई.ई. सी में जिला ग्रमीण विकास अभिकरण के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। समिति ने इन कार्यक्रमों को आम जनता ,प्रशासन,जन प्रतिनिधियों व स्वये सेवी कार्यकर्ताओं के सहयोग व मेहनत से देश में अग्रणी रूप से चलाया है। पिछले 3 वर्षों में समिति को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में सर्वश्रेष्ठ कार्यो हेतु समानित भी किया गया है। समिति ने जन सहयोग व प्रशासन के सहयोग से अपना भवन, स्त्रोत प्रशिक्षण केन्द्र, बैठक कक्ष, बनाया है।

संगठनात्मक :

समिति की 28 सदस्यीय साधारण सभा में से 18 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें पदाधिकारी व कोर समूह का गठन किया गया जिसमें 9 सदस्य होगें।

क्र	नाम	पद	मोबाईल	फोटो
1	श्री हेमंत राज वैद्य	अध्यक्ष	94181- 00333	
2	श्री राजेंद्र मोहन	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	94184- 94222	
3	श्री जोगिन्द्र वालिया	उपाध्यक्ष	94180- 23354	
4	श्री भीम सिंह	महासचिव	94180- 73190	
5	डा. वीना वैद्य	सचिव	94184- 56803	
6	श्री मुरारी शर्मा	सह सचिव	94180-25190	
7	श्री तिलक राम चौहान	सह सचिव	94181-64779	
8	श्रीमती सुनीता बिस्ट	सह सचिव	94180-85651	
9	श्री ललित शर्मा	कोषाध्यक्ष	94181-64777	
10	श्री भूपेंद्र सिंह	कार्यकारिणी सदस्य	94180-35530	
11	श्री बीरबल शर्मा	कार्यकारिणी सदस्य	94180-40040	

12	डा. विजय विशाल	कार्यकारिणी सदस्य	94181- 23571	
13	श्री नरपत राम	कार्यकारिणी सदस्य	94183- 71321	
14	श्री एनआर ठाकुर	कार्यकारिणी सदस्य	94184- 83177	
15	श्री नवल किशोर	कार्यकारिणी सदस्य	94186- 53288	
16	श्री सेवक राम	कार्यकारिणी सदस्य	94181-64778	
17	श्री कांशी राम	कार्यकारिणी सदस्य	94185-90074	
18	श्री देवेंद्र कुमार	कार्यकारिणी सदस्य	94182-77268	
19	श्री श्याम सिंह चौहान	साधारणसभा सदस्य	98170- 10786	
20	डा. कमल प्यासा	साधारण सभा सदस्य	98821- 76248	
21	श्री कुलदीप गुलेरिया	साधारण सभा सदस्य	94181- 44703	
22	श्री संजीव ठाकुर	साधारण सभा सदस्य	94184-99553	

23	श्री खेम सिंह	साधारण सभा सदस्य	94184- 19729	
24	श्रीमती मीरा शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94182-75772	
25	श्रीमती जयंवती	साधारण सभा सदस्य	94186- 52243	
26	श्री गजेन्द्र शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94180-04088	

1.सूक्ष्म जीवन बीमा योजना

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा मार्च 2009 में भारतीय जीवन बीमा निगम से इकरार किया तथा सुक्ष्म बीमा की ऐजेंसी ली। वर्ष 2005 में तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. डा. अब्दुल कलाम ने देश के आम जन तक बीमा की सुविधा पहुंचाने हेतु सूक्ष्म बीमा के नाम से योजना आरंभ की। इस कार्य हेतु समिति के दो मुख्य मकसद थे। एक तो गरीब आदमी को बीमा (सामाजिक सुरक्षा) से जोड़ना और दूसरा बीमा के नाम पर कुछ चिटफंड कंपनियों द्वारा आम जनता को लूटने से बचाना। भारतीय जीवन बीमा निगम क्योकि भारत सरकार का उपक्रम है।

इस योजना के अंतर्गत जिला में गरीब लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत करने व उन्हें सामाजिक सुरक्षा देने के लिये कार्य किया जा रहा है। आर्थिक रूप से मजबूत जब कोई व्यक्ति होता तो वह बचत व भविष्य में आने वाली समस्याओं व विपदाओं के बारे में भी सोचेगा। दूसरी तरफ सामाजिक सुरक्षा तक भी पहुंच उसी सम्पन्न वर्ग की है चाहे बीमा एंजेट हों या सरकार द्वारा संचालित दूसरे सामजिक सुरक्षा के कार्यक्रम हो। भविष्य के लिए बचत और सामाजिक सुरक्षा भी इस अभियान के हिस्सा होंगे। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का प्रयास किया जायेगा।

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा मंडी जिला में समस्त समाज के वंचित व कमजोर वर्ग के लोगों को सामाजिक सुरक्षा मुहैया करवाने बारे विशेष प्रयास किये जा रहे है जिसके तहत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति तथा सुक्ष्म बीमा के तहत माईक्रों बचत, भाग्य लक्ष्मी व न्यू जीवन मंगल में लोगों को जोड़ा गया है ताकि किसी भी आपदा या विकट परिस्थिति में परिवार के बाकि सदस्यों को आर्थिक मदद मिल सके तथा लोगों को बचत की आदत भी पड़े सकें।

समिति पिछले 30 वर्षो से निरंतरता से कार्य कर रही हैं अब तक सुक्ष्म बीमा की कुल 207787 पॉलिसिंया बनी है जिसमें से 96566 पॉलिसियां चल रही है। 30798 मेच्योर हो चुकी है तथा 3189 की मेच्योरटी डियू है 59845 लैप्स पॉलिसी हैं।

- वर्ष 2021–22 के लिये समिति द्वारा 20 हजार पॉलिसी बनाने का लक्ष्य रखा था तथा 20794 पॉलिसियां बनाकर 9,67,55,850/– रूप्ये प्रीमियम अर्जित किया है जो आज तक सबसे अधिक है। प्रति पॉलिसी 465/– रूपये प्रीमियम है

सुक्ष्म बीमाः सुक्ष्म बीमा के तहत खंड बार पॉलिसियों का विवरण

क्र	खंड का नाम	1अप्रैल 2021 से 31मार्च 2022 तक लक्ष्य	1अप्रैल 2021 से 31मार्च 2022 तक पॉलिसियॉ बनी
1.	सदर	3500	4152
2.	बल्ह	3000	3054
3.	गोपालपुर	3000	3182
4.	गोहर	2000	1876
5.	सराज	2000	1869
6.	बालीचौकी	1500	1484
7.	सुंदरनगर	1500	1453
8.	करसोग,निहरी	2500	1847
9.	धर्मपुर	500	203
10.	द्रंग	1000	1000
11.	चौंतड़ा	500	582
	कुल	**21000**	**20702**

समिति द्वारा मार्च 2022 तक 21000 पॉलिसियों का लक्ष्य रखा गया था जिसमें से 31मार्च,2022 तक 20702 पॉलिसियां बनाई जा चुकी है लक्ष्य को प्राप्त किया जा चुका है।

1.1 बीमा गांव

ग्रामीण स्तर पर सभी परिवारों को बीमा गांव से जोड़ने हेतु समिति द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ मिलकर महिला मंडलों व समूहों के माध्यम से बीमा गांव बनाने की मुहिम चलाई गई। राजस्व गांव में 75 या इससे अधिक लोगों को बीमा से जोड़ने पर उक्त गांव को बीमा गांव घोषित किया जाता है। बीमा गांवों को उनकी मांग के अनुसार भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दिये गये प्रोत्साहन राशि के माध्यम से सामग्री सभी बीमा गांवों में पहुंचाई गई और वर्ष 2021–2022 में 115 बीमा गांव के प्रोत्साहन राशि हेतु प्रस्ताव निगम को भेजे गये हैं।

2.नाबार्ड परियोजना

ई शक्ति परियोजनाः–

ई–शक्ति परियोजना के कार्य में प्रगति हेतु नाबार्ड द्वारा स्वयं सहायता समूहों की डिजीटाईजेशन परियोजना मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को नाबार्ड स्वयं सहायता समूहों का डिजीटाईजेशन संबंधी परियोजना स्वीकृत हुई इस कार्य हेतु 120 ऐनीमेटरों को नियुक्त किया गया हैं। हर माह सभी समूहों का अपडेशन तथा 10 प्रतिशत समूहों को बैंक से क्रैडिट लिंकेज का लक्ष्य रखा गया है। समिति द्वारा 4297 में से 3952 समूहों को बैंक से लिंक किया गया है। 345 समूह शेष हैं। परियोजना 30 सितंबर,2022 को समाप्त हो जायेगी।

- **LEDP परियोजना जंजैहलीः–**आजिविका उद्यामिता विकास कार्यक्रम के तहत सराज खण्ड के जंजैहली में समूह की महिलाओं को लाहुली जुराबें बनाने का 15 दिवसीय प्रशिक्षण 90 महिलाओं को दिया गया। 40 महिलाओं का अध्ययन भ्रमण सितम्बर माह में भूटिको कुल्लू में किया जायेगा।
- **LEDP परियोजना थुनागः– अ**जिविका उद्यामिता विकास कार्यक्रम के तहत सराज खण्ड के थुनाग परियोजना के तहत तीन स्थानों पर डमोन्सट्रेशन युनिट लगवाए गये है। महिलाओं को सस्ते दाम पर धागा रूरल मार्ट के माध्यम से उपलब्ध करवाया जा रहा है।
- **FPO माहुंनागः–ए**फ.पी.ओ. माहुंनाग की सदस्यता 220 हो चुकी है। सितम्बर माह तक इसे 300 तक पहंचाने का लक्ष्य है। नाबार्ड शिमला द्वारा FPO को 164000 रूपये की BDA Grant स्वीकृत की गई। FPO के बोर्ड सदस्यों के दो प्रशिक्षण करवाना शेष है।
- **FPO बगस्याड :–** FPO सिराज वैली फार्मर प्रोडयूसर कम्पनी, बगस्याड की सदस्यता अप्रैल माह तक 242 कर ली गई है। सितम्बर माह तक 300 सदस्य पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। FPO का कार्य प्रगति पर है, FPO के बोर्ड सदस्यों का एक प्रशिक्षण करवाना शेष है। FPO के KYC 15 सितम्बर,2022 से पहले अपडेट किये जाने अनिवार्य है। fpo के बोर्ड की बैठक 7 अगस्त, 2022 को 3 बजे महासचिव, भीमसिंह करेंगे।

- **<u>FPO सरकाघाट :–</u> हिम गंगा डेयरी प्रोड्यूसर कम्पनी प्रस्द्धा हवाणी सरकाघाट** सदस्यों की समीक्षा बैठक 29 जुलाई 2020 जिला विकास प्रबन्धक नाबार्ड की अध्यक्षता में की गई जिसमें परियोजना के कार्य को सही नहीं पाया गया। FPO के प्रभारी और बोर्ड सदस्य सक्रीय भूमिका नहीं निभा रहे हैं जो एक चिन्ता का विषय है। FPO के KYC 15 सितम्बर,2022 से पहले अपडेट किये जाने अनिवार्य है। FPO प्रसदा हवाणी की सहायता हेतु गजेन्द्र शर्मा, सुनिटा पटियाल सहित इस माह 5 दिन उपक्षेत्र में लगायेंगे।

- **<u>OFPO परियोजना</u>ः–सरोआ हैण्डलूम परियोजना** सरोआ का अपना कार्यालय शुरू किया जायेगा। जिसमें एक कार्यालय सहायक 3 अगस्त को रखा जायेगा। रीना देवी CEO का कार्यालय सरोआ में रहेगा तथा महिने के प्रथम सप्ताह में दो दिन समिति कार्यालय सौलीखड्ड में रिर्पोट तैयार करके नाबार्ड को भेजेंगे।

- **रूरल मार्ट परियोजना मण्डी :–**इन्दिरा मार्कोट में पिछल एक वर्ष से रूरल मार्ट का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। PMIC की बैठक इस माह की जानी है।

- **रूरल मार्ट थुनाग :–**LEDP थुनाग द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री हेतु रूरल मार्ट का शुभारम्भ CGM नाबार्ड द्वारा किया गया। रूरल मार्ट की दुकान शुरू कर दी गई है। सेल्ज पर्सन के रूप में उमा देवी को दी गई है।
- **MEDP :–**MEDP हेतु खण्ड द्रंग, सदर, गोहर, सराज से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं शेष खण्डों से प्रस्ताव अभी प्राप्त नहीं हुए है।
- **आजीविका अद्यमिता विकास कार्यक्रमः–**LEDP के लिए खण्डों से प्रस्ताव मांगे गये है। जो अभी प्राप्त नहीं हुए है।

- **SHG लीडर्ज कार्यशालाः** SHG लीडर्ज हेतु क्षमता निमार्ण कार्यशाला इस माह सरकाघाट में की जानी है।

- **प्रदर्शनी एवं बिक्रीः–** हैण्डलूम के कार्य को बढ़ावा देने हेतु नाबार्ड द्वारा 10 से 12 अगस्त तक प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है जिसमें 15 स्टॉल नाबार्ड के सौजन्य से उपलब्ध करवाए जाएंगे। जिसमें मुख्यतः जिम्मेवारी गजेन्द्र की रहेगी तथा डागी राम, संन्तोष, रीना देवी सहयोग करेंगे।

3.हिमाचल प्रदेश भवन एवम् अन्य निर्माण कामगार

जिला स्तरीय दो दिवसीय स्त्रोत व्यक्ति की कार्यशाला की रिर्पोट

हिमाचल प्रदेश भवन एवम् अन्य निर्माण कामगार बोर्ड द्वारा कामगारों हेतू चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं बारे जिला स्तरीय दो दिवसीय स्त्रोत व्यक्ति की कार्यशाला का आयोजन दिनाँक 28व 29 जनवरी,2022 को समिति सभागार कक्ष सौली खड्ड मंडी में किया गया। इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि एवम् स्त्रोत व्यक्ति श्री प्यारेलाल साहू जिला श्रम अधिकारी मंडी द्वारा भवन निर्माण एवम् अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के गठन, लक्ष्य व उद्देश्यों बारे विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कामगारों हेतू पंजीकरण प्रक्रिया व इसके लिए आवश्यक दस्तावेजों बारे भी जानकारी दी। इस कार्यशाला के प्रथम दिन दोपहर भोजन के बाद प्रथम सत्र में हुई बातचीत बारे समूह चर्चा करवाई गई और श्रमिक कल्याण बोर्ड मंडी के फिल्ड मोटिवेटर श्री अशोक कुमार द्वारा चर्चा का समायोजन करवाया गया।

दूसरे दिन के प्रथम सत्र में प्रथम दिन के कार्य की समीक्षा की गई तथा जिला श्रम अधिकारी श्री प्यारेलाल साहू द्वारा श्रमिक कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत कामगारों को प्रदान की जाने वाली 13 कल्याणकारी योजनाओं बारे विस्तृत जानकारी दी गई और इन योजनाओं का फायदा उठाने हेतू आवश्यक दस्तावेज,फार्म,को भरवाने बारे भी जानकारी दी गई।

दूसरे दिन दोपहर भोजन के बाद उक्त 13 कल्याणकारी योजनाओं बारे सत्र पर समूह चर्चा श्री ओमप्रकाश वालिया व श्री कुलदीप सिंह जसवाल श्रमिक कल्याण बोर्ड मंडी की तरफ से करवाई गई। कार्यशाला के अन्तिम सत्र में समिति के महासचिव श्री भीमसिंह द्वारा पंचायत स्तरीय शिविरों से सम्बन्धित प्रतिभागियों की उपस्थिति दर्ज करवाने, कार्यक्रम से पूर्व प्रीकैम्प का आयोजन,रिफ्रेशमेंट व बैठने की व्यवस्था तथा बैन्नर व अन्य प्रचार सामग्री बारे जानकारी दी गई तथा सम्बन्धित स्त्रोत व्यक्तियों द्वारा उक्त सामग्री प्राप्त की गई। इस कार्यशाला में

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के 22 व एम्पायर एजुकेशन सोसायटी मंडी के 6 कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

द्रंग खंड में जागरूकता शिविरों की रिपोट

हिमाचल प्रदेश भवन एवम् अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा जिला मंडी के विकास खंड द्रंग की 45 ग्रम पंचायतों में जागरूकता शिविरों के आयोजन का कार्य मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को दिया गया था जिस सन्दर्भ में बोर्ड द्वारा कामगारों हेतू चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं बारे सहयोगी संस्था मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के स्त्रोत व्यक्तियों द्वारा दिनाँक 7 फरवरी,2022 से 24 फरवरी,2022 तक विकास खंड द्रंग की 45 ग्राम पंचायतों में जागरूकता शिविरों का विधिवत आयोजन करवाया गया। दिनाँक 7 फरवरी,2022 को जागरूकता शिविर का शुभारम्भ ग्राम पंचायत डलाह (पधर) से किया गया जिसकी अध्यक्षता श्रीमति लता ठाकुर माननीय सदस्या भवन एवम् अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड शिमला द्वारा की गई। इसके उपरान्त 14,फरवरी,2022 को जिमजिमा पंचायत में उक्त जागरूकता शिविर की अध्यक्षता श्री प्रकाश राणा माननीय विधायक जोगेन्द्रनगर द्वारा की गई। इसके इलावा समस्त 43 ग्रम पंचायतों में जागरूता शिविरों का आयोजन स्थानीय पंचायत प्रधान/पंचायत समिति सदस्य व जिला परिषद सदस्य के माध्यम से किया गया।

उक्त शिविरों में समिति द्वारा गठित पाँच स्त्रोत व्यक्ति की टिमों द्वारा 13 योजनाओं बारे विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा समिति के सहयोगी पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं द्वारा शिविरों से पूर्व व शिविर के दौरान लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी बारे सक्रिय प्रयास किये गये और शिविर के दौरान प्रतिभागियों के बैठने की व्यवस्था, रिफ्रेशमेंट व हाजरी दर्ज करवाने में पूर्ण सहयोग दिया गया। इन शिविरों में कुल 5150प्रतिभागियों ने भाग लिया और लगभग 2000पात्र कामगारों द्वारा श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकरण हेतू अपने नाम दर्ज करवाये।

द्रंग खंड के अति दुर्गम इलाके यानि चौहारघाटी के 17 पंचायतों में उक्त कार्यक्रमों की पुर्व तैयारी व शिविर के सफल आयोजन हेतू समिति द्वारा व्यापक

प्रचार–प्रसार हेतू प्रदर्शनी वैन का प्रयोग किया गया जो कि अत्यन्त सफल रहा। इसमें माईक द्वारा अनाउसमेंट व लिफलैट वितरण के कार्य के साथ साथ स्त्रोत व्यक्ति द्वारा लोगों को शिविर में भाग लेने हेतू प्रेरित किया गया।

समिति द्वारा उक्त योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतू नुक्कड़ नाटक/ डॉक्यूमेंन्टरी भी बनाई गई। समिति द्वारा प्रतिभागियों की सुविधा के लिए पंजीकरण फार्म व लीफलैट भी उपलब्ध करवायें गये।

इन कार्यक्रमों में समिति कार्यकर्ताओं द्वारा श्रमिक कल्याण बोर्ड मंडी,शिमला,द्वारा दी गई सामग्री कलैण्डर व लीफलैट भी वितरित किये गये । इन कार्यक्रमों के मिडिया कवरेज हेतू समिति के प्रयासों से दैनिक आधार पर गतिविधि रिर्पोट मिडिया को दी गई जिसकी अच्छी कवरेज रही। इसके अलावा दैनिक आधार पर सभी कार्यक्रमों की रिर्पोट फोटोग्रफ सहित श्रमिक कल्याण बोर्ड के मंडी व शिमला वाले ग्रुप में दैनिक आधार पर डाली गई।

दिनाँक 24 फरवरी,2022 को समिति द्वारा द्रंग खंड की सभी पंचायतों में जागरूकता शिविरों के आयोजन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इन कार्यक्रमों की विधिवत विवरण विभाग द्वारा निर्धारित प्रपत्र के आधार पर समायोजित की गई है। समिति आगामी समय में उक्त पंचायतों में पंजीकरण के इच्छुक कामगारों की पंचायत स्तरीय बैठकों का आयोजन करेगी तथा पात्र कामगारों की पंजीकरण प्रकिया में मद्द करेगी द्रंग खंड में अभी तक 900 के करीब कामगारों द्वारा श्रमिक कल्याण बोर्ड में अपना पंजीकरण करवाया गया है। चौहारघाटी की अधिकतर पंचायतों में अभी तक कोई भी व्यक्ति पंजीकृत नंही हुआ है इस घाटी में उक्त जागरूता शिविरों के माध्यम से बहुत से गरीब कामगारों का स्वयं व उनके परिवार का भला हो सकता है।

समिति इस प्रकार के कल्याणकारी आयोजन हेतू भवन एवम् अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड शिमला व श्रमअधिकारी मंडी धन्यवाद व आभार व्यक्त करती है।

3.समिति द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां

- सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतर कार्य करने सहायक अभिकर्ताओं को भारतीय जीवन बीमा निगम शिमला मंडल द्वारा सहायक अभिकर्ताओं का अध्ययन भ्रमण निम्न स्थानों में किया गया।
- 28 जुलाई,2021 को अध्ययन भ्रमण का आयोजन तीर्थन वैली में किया गया जिसमें 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 28 अगस्त,2021 को अध्ययन भ्रमण का आयोजन चामुण्डा में किया गया जिसमें 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 21सितंबर,2021 को अध्ययन भ्रमण का आयोजन उदयपुर–राजस्थान में किया गया जिसमें 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 11 नवंबर,2021 को अध्ययन भ्रमण का आयोजन डलहौजी में किया गया जिसमें 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 24 नवंबर,2021 को अध्ययन भ्रमण का आयोजन शिशु में किया गया जिसमें 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 2मार्च,2022 को अध्ययन भ्रमण का आयोजन जयपुर–राजस्थान में किया गया जिसमें 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

5. खंड स्तरीय समीक्षा बैठकों का विवरण

क्र	बैठक दिनांक	विवरण	उपस्थिति
1	9-4-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	19
2	5-7-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	15
3	3-8-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	25
4	4-9-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	15
5	2-10-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	16
6	8-11-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	20
7	4-12-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	18
8	3-1-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	31
9	7-3-2021	खंड समन्वयक समीक्षा बैठक	13

6. कार्यकारिणी/ साधारण सभा बैठकों का विवरण

क्र	बैठक दिनांक	विवरण	उपस्थिति
1	11 जुलाई,2020	साधारण सभा बैठक	18
2	13 फरवरी,2021	साधारण सभा बैठक	16

7. अखबारों की कतरने

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने समाज में बनाई है अपनी पैठ

सूक्ष्म बीमा में नार्थ इंडिया में नंबर वन, देश में सेकंड

• बीरबल शर्मा । मंडी

साक्षरता एवं सामाजिक मुद्दों पर लगातार कई वर्षों से कार्यरत मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित कर चुकी है। बीते वर्ष भी समिति ने लक्ष्य से कहीं ज्यादा पालिसियां बनाकर उतरी भारत में प्रथम और देश में दूसरा स्थान हासिल किया है।

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष हेमंत राज वैद्य ने कहा कि समिति पिछले कई सालों से समाज के बीच कार्य करते हुए अपनी पैठ बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी समिति अपने उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी नियमों का पालन करते हुए समाज में जागरूकता लाने का प्रयास समिति के कार्यकर्ताओं की ओर से किया जाएगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की साधारण सभा की बैठक समिति कार्यालय साउली खड्ड में अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य आयोजित की अध्यक्षता ने हुई।

समिति की ओर से 4297 समूहों में से 3831 समूहों को बैंक से लिंकेज किया जा चुका है। उसी प्रकार संयुक्त देयता समूह परियोजना के तहत 300 में से 207 समूहों को क्रैडिट लिंक किया जा चुका है। वहीं एलईपीडी परियोजना के तहत सराज खंड के जंजैहली में समूह की महिलाओं को लाहुली जुराबें बनाने के प्रशिक्षण के लिए मंजूरी हेतु नाबार्ड शिमला भेजा गया था। जिसकी स्वीकृति मिल चुकी है।

इसी माह 30-30 महिलाओं को के बैच का 15 दिवसीय प्रशिक्षण करवाना प्रस्तावित है। उसी प्रकार थुनाग से 40 प्रतिभागियों का दल अध्ययन भ्रमण के लिए भुट्टी कालोनी कुल्लू में भेजा गया। सरकाघाट के परसदा हवाणी में डेरी उत्पाद, सरोआ गोहर में खडडी उत्पाद के अलावा इंदिरा मार्किट में रूरल मार्ट का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष एवं नेला वार्ड के पार्षद राजेंद्र मोहन ,बीरबल शर्मा, मुरारी शर्मा, जोगिंद्र वालिया, वीना वैद्य, एनआर ठाकुर, नरपत राम, ललित शर्मा, भीम सिंह, सुनीता, देवेंद्र और कांशी राम आदि मौजूद रहे।

लक्ष्य से 1500 पालिसियां अधिक बनाई..

समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि गत वर्ष सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में समिति के कार्यकर्ताओं ने सराहनीय कार्य करते हुए लक्ष्य से 1500 पालिसियां अधिक बनाई है। समिति उत्तरी भारत की नंबर वन संस्था बन गई है। जबकि पूरे देश में समिति का दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा कि समिति ने घर-घर तक दस्तक दी है। जिसके परिणाम स्वरूप डैथ क्लेम भी अधिक हुए हैं। उन्होंने कहा कि आम बीमारी के अलावा स्क्रब टाईफस और कोरोना की वजह से होने वाली मौतों के क्लेम भी दिए जा रहे हैं। उसी प्रकार नाबार्ड की परियोजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों के लिए भी समिति को बेहतर आंका गया है। जिसमें समिति की ओर से स्वयं सहायता समूहों ई-शक्ति परियोजना के तहत डिजिटाईजेशन बैंक से लिंक और समूहों की पासबुक शत प्रतिशत अपलोड करवाई गई है।

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने समाज में बनाई है अपनी पैठः हेमंतराज वैद्य

सूक्ष्म बीमा में नार्थ इंडिया में नंबर वन और देश में दूसरे नंबर की संस्था

मंडी, 16 जनवरी (ब्यूरो) : साक्षरता एवं सामाजिक मुद्दों पर लगातार कई वर्षों से कार्यरत मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित कर चुकी है। बीते वर्ष भी समिति ने लक्ष्य से कहीं ज्यादा पालिसियां बनाकर उत्तरी भारत में प्रथम और देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष हेमंत राज वैद्य ने कहा कि समिति पिछले कई सालों से समाज के बीच कार्य करते हुए अपनी पैठ बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी समिति अपने उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी नियमों का पालन करते हुए समाज में जागरूकता लाने का प्रयास समिति के कार्यकर्ताओं की ओर से किया जाएगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की साधारण सभा की बैठक समिति कार्यालय साउली खड्ड में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य ने की।

इस अवसर पर समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि गत वर्ष सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में समिति के कार्यकर्ताओं ने सराहनीय कार्य करते हुए लक्ष्य से 1500 पालिसियां अधिक बनाई है। जिसके चलते समिति उत्तरी भारत की नंबर वन संस्था बन गई है। जबकि पुरे देश में समिति का दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा कि समिति ने घर-घर तक दस्तक दी है।जिसके परिणाम स्वरूप डैथ क्लेम भी अधिक हुए है। उन्होंने कहा कि आम बीमारी के अलावा स्क्रब टाईफस और कोरोना की वजह से होने वाली मौतों के क्लेम भी दिए जा रहे है। उसी प्रकार नाबार्ड की परियोजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों के लिए भी समिति को बेहतर आंका गया है। जिसमें समिति की ओर से स्वयं सहायता समूहों ई शक्ति परियोजना के तहत डिजिटाईजेशन बैंक से लिंक और समूहों की पासबुक शतप्रतिशत अपलोड करवाई गई है। समिति की ओर से 4297 समूहों में से 3831 समूहों को बैंक से लिंकिज किया जा चुका है। उसी प्रकार संयुक्त देवता समूह परियोजना के तहत 300 में से 207 समूहों को क्रैडिट लिंक किया जा चुका है। वहीं एलईपीडी परियोजना के तहत सराज खंड के जंजैहली में समूह की महिलाओं को लाहुली जुराबें बनाने के प्रशिक्षण के लिए मंजूरी हेतु नाबार्ड शिमला भेजा गया था। जिसकी स्वीकृति मिल चुकी है। इसी माह 30-30 महिलाओं को के बैच का 15 दिवसीय प्रशिक्षण करवाना प्रस्तावित है। उसी प्रकार थुनाग से चालीस प्रतिभागियों का दल अध्ययन भ्रमण के लिए भुट्टी कालोनी कुल्लू में भेजा गया। उसी प्रकार सराज वैली फार्मर प्रॉडयूसर कंपनी गठित की गई है। जिसके माध्यम से पशुपालन को लेकर कैंप लगाए जाने है। सरकाघाट के परसदा हवाणी में डेरी उत्पाद, सरोआ गोहर में खड्डी उत्पाद के अलावा इंदिरा मार्किट में रूरल मार्ट का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष एवं नेला वार्ड के पार्षद राजेंद्र मोहन ,बीरबल शर्मा, मुरारी शर्मा, जोगिंद वालिया, वीना वैद्य,एनआर ठाकुर, नरपत राम, ललित शर्मा, भीम सिंह, सुनीता, देवेंद्र और कांशी राम आदि मौजूद रहे।

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की बैठक को संबोधित करते हुए हेमंत राज वैद्य।

सूक्ष्म बीमा में नॉर्थ इंडिया में नंबर वन और देश में दूसरे नंबर की संस्था

जिला मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने समाज में बनाई है अपनी पैठः हेमंतराज वैद्य

भास्कर न्यूज | मंडी

साक्षरता एवं सामाजिक मुद्दों पर लगातार कई वर्षों से कार्यरत मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित कर चुकी है। बीते वर्ष भी समिति ने लक्ष्य से कहीं ज्यादा पालिसियां बनाकर उत्तरी भारत में प्रथम और देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष हेमंत राज वैद्य ने कहा कि समिति पिछले कई सालों से समाज के बीच कार्य करते हुए अपनी पैठ बनाए हुए है। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की साधारण सभा की बैठक समिति कार्यालय साउली खड्ड में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य ने की।

इस अवसर पर समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि गत वर्ष सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में समिति के कार्यकर्ताओं ने सराहनीय कार्य करते हुए लक्ष्य से 1500 पालिसियां अधिक बनाई है। जिसके चलते समिति उत्तरी भारत की नंबर वन संस्था बन गई है। जबकि पुरे देश में समिति का

दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा कि समिति ने घर-घर तक दस्तक दी है।जिसके परिणाम स्वरूप डैथ क्लेम भी अधिक हुए हैं। आम बीमारी के अलावा स्क्रब टाईफस और कोरोना की वजह से होने वाली मौतों के क्लेम भी दिए जा रहे हैं। उसी प्रकार नाबार्ड की परियोजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों के लिए भी समिति को बेहतर आंका गया है। जिसमें समिति की ओर से स्वयं सहायता समूहों ई शक्ति परियोजना के तहत डिजिटाईजेशन बैंक से लिंक और समूहों की पासबुक शतप्रतिशत अपलोड करवाई गई है। समिति की ओर से 4297 समूहों में से 3831 समूहों को बैंक से लिंकिज किया जा चुका है। उसी प्रकार संयुक्त देवता समूह परियोजना के तहत 300 में से 207 समूहों को क्रैडिट लिंक किया जा चुका है। वहीं एलईपीडी परियोजना के तहत सराज खंड के जंजैहली में समूह की महिलाओं को लाहुली जुराबें बनाने के प्रशिक्षण के लिए मंजुरी हेतु नाबार्ड शिमला भेजा गया था। जिसकी स्वीकृति मिल चुकी है।

इसी माह 30-30 महिलाओं को के बैच का 15 दिवसीय प्रशिक्षण करवाना प्रस्तावित है। उसी प्रकार थुनाग से चालीस प्रतिभागियों का दल अध्ययन भ्रमण के लिए भुट्टी कालोनी कुल्लू में भेजा गया। उसी प्रकार सराज वैली फार्मर प्रॉडयूसर कंपनी गठित की गई है। सरकाघाट के परसदा हवाणी में डेरी उत्पाद, सरोआ गोहर में खडडी उत्पाद के अलावा इंदिरा मार्किट में रूरल मार्ट का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष एवं नेला वार्ड के पार्षद राजेंद्र मोहन ,बीरबल शर्मा, मुरारी शर्मा, जोगिंद्र वालिया, वीना वैद्य,एनआर ठाकुर, नरपत राम, ललित शर्मा, भीम सिंह, सुनीता, देवेंद्र और कांशी राम आदि मौजूद रहे।

थुनाग में रूरल मार्ट का शुभारंभ

मुख्य महाप्रबंधक दिनेश रैना बोले, हुनर दिखाए नारी शक्ति

निजी संवाददाता- थुनाग

सराज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शुक्रवार को थुनाग में कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक दिनेश रैना सूक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत 14 दिवसीय प्रशिक्षण तथा आजीविका उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत जुड़ी हुई स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए थुनाग में नाबार्ड द्वारा स्वीकृत रूरल मार्ट का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सराज की अलग -अलग पंचायतों से आए हुए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को संबोधित भी किया । महिला को प्रेरित भी किया कि महिलाएं अपने घर के कामकाज के साथ-साथ अपने हुनर को दिखाने का और पैसे कमाने का भी सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह के द्वारा अच्छे - अच्छे प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे हैं और लोग भी उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं। इस मौके पर सहायक महाप्रबंधक नाबार्ड संजीव शर्मा, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड डॉ. सोहन प्रेमी, जिला परिषद सदस्य खेम दासी, थुनाग पंचायत के प्रधान धनेश्वर सिंह, मुरहाग से कर्म सिंह, शरण से ऋषव ठाकुर, मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति से महासचिव भीम सिंह, गजेंद्र शर्मा, रीना, खुबे राम, लालमन, जयवंती, भामा देवी सहित 200 महिलाओं ने भाग लिया।

दैनिक संध्या अखबार (डिजिटल संस्करण)

मण्डी

खबरनामा

.....सही खबर आप तक

बसंत पंचमी की शुभकामनाएं

मण्डी, 5 फरवरी, 2022, माघ, शुक्ल पक्ष-5, 2078

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को नाबार्ड की ओर से राज्य स्तरीय पुरस्कार 9 फरवरी को सीएम जयराम करेंगे प्रदान

• **वीरबल शर्मा**। मंडी

प्रदेश की अग्रणी स्वयं सेवी संस्था मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को नाबार्ड की ओर से राज्य के प्रथम पुरस्कार से नवाजा जाएगा। ये पुरस्कार मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर 9 फरवरी को प्रदान किया जाएगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को यह पुरस्कार महिला स्वयं सहायता समूहों को माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने और नाबार्ड की परियोजना के तहत 1500 समूहों को बैंक लिंकेज करने के लिए प्रदान किया जा रहा है। नाबार्ड की ओर से मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को बेहतर आंकते हुए राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार देने का ऐलान किया। समिति के अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य और महासचिव भीम सिंह का कहना है कि यह सब समिति के हजारों कार्यकर्ताओं की मेहनत की बजह से संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सैंकड़ों संस्थाएं है मगर मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति अपने आपमें एक जन आंदोलन है, जिसमें समाज के सब रंगों का समावेश है। इस लिए आज जनता का प्यार और कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग ला रही है । उन्होंने बताया कि समिति की ओर से अपने कार्यों को विस्तार देने के लिए सात स्थानों पर अपने कार्यालय हैं। जबकि 1200 के करीब फील्ड कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बताया कि समिति पिछले 28 सालों से जनता के बीच शिक्षा साक्षरता, उत्तर साक्षरता, सतत शिक्षा, बच्चों को पाठशाला तक ले जाने, उनका सर्वे करना उनको पाठशाला में भर्ती करना , स्कूल शिक्षा संवाद, यूको क्लब, केयर कॉउसलिंग, स्कूल प्रबंधन समितियों को जागरूक करना बच्चों की पत्रिका निकलना, स्कूल न जाने वाले बच्चों का सर्वे करना, दोपहर भोजन, शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य में टीकाकरण अभियान, पोलियो अभियान, मातृ शिशु स्वास्थ्य, जल स्रोतों को साफ करना , रक्तदान शिविर , प्राकृतिक जल स्रोतों की सफाई व उनके संरक्षण के लिए अभियान चलाया गया।

दैनिक संध्या अखबार (डिजिटल संस्करण)

मण्डी

खबरनामा

.....सही खबर आप तक

बसंत पंचमी की शुभकामनाएं

मण्डी, 5 फरवरी, 2022, माघ, शुक्ल पक्ष–5, 2078

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को नाबार्ड की ओर से राज्य स्तरीय पुरस्कार 9 फरवरी को सीएम जयराम करेंगे प्रदान

• **बीरबल शर्मा**। मंडी

प्रदेश की अग्रणी स्वयं सेवी संस्था मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को नाबार्ड की ओर से राज्य के प्रथम पुरस्कार से नवाजा जाएगा। ये पुरस्कार मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर 9 फरवरी को प्रदान किया जाएगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को यह पुरस्कार महिला स्वयं सहायता समूहों को माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने और नाबार्ड की परियोजना के तहत 1500 समूहों को बैंक लिंकेज करने के लिए प्रदान किया जा रहा है। नाबार्ड की ओर से मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को बेहतर आंकते हुए राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार देने का ऐलान किया।

समिति के अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य और महासचिव भीम सिंह का कहना है कि यह सब समिति के हजारों कार्यकर्ताओं की मेहनत की बजह से संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सैंकड़ों संस्थाएं है मगर मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति अपने आपमें एक जन आंदोलन है, जिसमें समाज के सब रंगों का समावेश है। इस लिए आज जनता का प्यार और कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने बताया कि समिति की ओर से अपने कार्यों को विस्तार देने के लिए सात स्थानों पर अपने कार्यालय हैं। जबकि 1200 के करीब फील्ड कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बताया कि समिति पिछले 28 सालों से जनता के बीच शिक्षा साक्षरता, उत्तर साक्षरता, सतत शिक्षा, बच्चों को पाठशाला तक ले जाने, उनका सर्वे करना उनको पाठशाला में भर्ती करना , स्कूल शिक्षा संवाद, यूको क्लब, केयर कॉउसलिंग, स्कूल प्रबंधन समितियों को जागरूक करना बच्चों की पत्रिका निकलना, स्कूल न जाने वाले बच्चों का सर्वे करना, दोपहर भोजन, शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य में टीकाकरण अभियान, पोलियो अभियान, मातृ शिशु स्वास्थ्य, जल स्रोतों को साफ करना , रक्तदान शिविर , प्राकृतिक जल स्रोतों की सफाई व उनके संरक्षण के लिए अभियान चलाया गया।

बसंतोत्सव पर भगवान रघुनाथ जी की यश गाथा गाते देवलू।

नाबार्ड
स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2022 – 23
स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2022 – 23
"किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि उपज का समूहन"
दिनांक : 09 फरवरी, 2022
विकास बैंक
शिमला

नाबार्ड स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2021-22
नाबार्ड
2021-22
उत्कृष्ट कार्य
कृषीतर क्षेत्र पीआईए-
मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति, मंडी
9 फरवरी, 2022
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक,
हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला
OPPO F11 Pro • © Bhim Singh
2022/02/09 13:32

नाबार्ड
स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2022 – 23
स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2022 – 23
"किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि उपज का समूहन"
दिनांक : 09 फरवरी, 2022
विकास बैंक
शिमला

दैनिक संध्या अखबार (डिजिटल संस्करण)

मण्डी

खबरनामा

.....सही खबर आप तक

मण्डी, 9 फरवरी, 2022, माघ, शुक्ल पक्ष–9, 2078

मंडी साक्षरता समिति को श्रेष्ठ कार्य करने के लिए राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार मिला

• **मंडी**। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड शिमला द्वारा आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2022–23 किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि उपज का समूहन के अवसर पर बुधवार को वर्ष 2021–22 में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य ने कृषि मंत्री वीरेंद्र कवंर से प्राप्त किया। यह पुरस्कार स्वयं सहायता समूहों के सुक्ष्म ऋण दिलवाने व गैर कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदान किया गया। समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि वर्ष 1992 में साक्षरता की अलख जगाने के लिए गठित मंडी साक्षरता समिति ने साक्षरता अभियान में अपनी अह्म भूमिका निभाते हुए सरकार के साथ मिलकर अनेक परियोजनाओं का सफल संचालन किया है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के साथ समिति सन् 2000 से लेकर आज तक निरंतर कार्य कर रही है। समिति में नाबार्ड की स्वयं सहायता समूह परियोजना के माध्यम से मंडी में 5000 से ज्यादा समूहों का गठन करके उन्हें बैंक से जोड़ा तथा 50 हजार से ज्यादा समूहों का गठन करके उन्हें बैंक से जोड़ा। इसके अलावा 50 हजार से ज्यादा महिलाओं को सस्ते ब्याज दर पर 100 करोड़ से ज्यादा ऋण उपलब्ध करवाया। इसके साथ ही 4297 समूहों को अब ई शक्ति परियोजना में जोड़कर इनका डाटा ईशक्ति पोर्टल पर ऑनलाईन किया जा रहा है।

मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति
आपका हार्दिक स्वागत करती है।
TWO DAYS MASTER TRAINERS WORKSHOP
ORGANISING
AWARENESS
DATE : 28 to 29 Jan. 2022
Sponsored By : HPBOCW
Organised By : Mandi Saksharta
OPPO F11 Pro · ©Bhim Singh
2022/01/28 12:08

श्री जय राम ठाकुर
हिमाचल

सूचना

मंडी साक्षरता समिति ने द्रंग के पाली व डलाह में लगाए पंजीकरण शिविर

- **कामगारों के कल्याण के लिए सरकार की ढेरों योजनाएं : एनआर ठाकुर**

झटम्परी में आयोजित शिविर के दौरान प्रतिभागी एवं डलाह में शिविर के दौरान कामगार बोर्ड की सदस्य लता ठाकुर व अन्य।

मंडी, 7 फरवरी (ब्यूरो) : हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों, कामगारों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने बारे मंडी साक्षरता समिति की ओर से जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को मंडी जिला के द्रंग खंड की पाली और डलाह पंचायतों में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत डलाह में जागरूकता शिविर का शुभारंभ कामगार कल्याण बोर्ड की सदस्य लता ठाकुर द्वारा किया गया। जबकि इसके अलावा पाली व झटींगरी में भी शिविर आयोजित किए गए। डलाह में आयोजित शिविर में स्थानीय पंचायत प्रधान हेमंत कुमार, जिला परिषद सदस्य रजिकांत, पंचायत समिति सदस्य कविता चौहान, खंड विकास अधिकारी कार्यालय के अधीक्षक यशपाल सकलानी, समिति के स्रोत व्यक्ति सेवक राम ठाकुर सहित 152 लोग मौजूद रहे। जिन्हें योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर पंजीकरण के लिए 45 लोगों द्वारा नाम दर्ज करवाए गए। वहीं पाली ग्राम पंचायत में कामगारों के पंजीकरण बारे आयोजित जागरूकता शिविर की अध्यक्षता पंचायत प्रधान दया स्वरूप ने की। इस मौके पर समिति के कन्वीनर और जिला स्रोत व्यक्ति एन. आर. ठाकुर ने 150 से अधिक प्रतिभागियों को कामगारों या मजदूरों के पंजीकरण के महत्व और मिलने वाली आर्थिक सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा की हिमाचल सरकार और कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा कामगारों की भलाई के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है लेकिन जानकारी के अभाव के चलते हम उन सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे है। एनआर ठाकुर ने कहा की पंजीकरण क्यों जरूरी है,इसमें कौन लोग पंजीकृत होंगे, पंजीकरण कैसे किया जाएगा, पंजीकरण कहां और कब होगा तथा पंजीकृत सदस्य को कौन-कौन से आर्थिक लाभ मिलेंगे। उन्होंने कहा की कामगार बोर्ड द्वारा कामगारों के लिए 13 कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई है, जिनका सीधा लाभ पंजीकृत सदस्य को मिलेगा। जैसे बच्चों की शादी के लिए 51000 रुपए, शिक्षा के लिए 84 सौ से 1.20 लाख रुपए प्रति वर्ष, प्रसूता महिला के लिए 25000 रुपए व प्रसूति अवकाश,बीमारी पर 50 हजार से 5 लाख तक, दुर्घटना में मौत होने पर 4 लाख और प्राकृतिक मौत होने पर 2 लाख तक,मुख्यमंत्री आवास योजना में पहले से मिली हुई राशि के अतिरिक्त 1.50 लाख तक देने की सुविधा आदि का प्रावधान है।

इस मौके पंचायत प्रधान दया स्वरूप, बीडीसी सदस्य कृपाल, उपप्रधान अजीत ,गीता आदि ने भी अपने विचार रखे। इसके अलावा ग्राम पंचायत झटींगरी में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के महासचिव भीम सिंह, स्रोत व्यक्ति खेम सिंह पंचायत प्रधान सहित 100 लोगों ने भाग लिया तथा लोगों को योजनाओं बारे जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा अन्य पंचायतों में भी जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

प्रकाश संग सीमा   रोहत संग प्रतिमा

है कि कोरोना जैसे संकटकालीन हालात में भी हमारे प्रत्येक सदस्य ने अग्रिम पंक्ति में पीड़ितों की सेवा में ड्यूटी की

अतिरिक्त वरिष्ठ उपप्रधान हेम सिंह, महासचिव जयराम नायक, प्रेस स... राम, यूनिट प्रभारी धर्म चंद व चंद्रमणी सहित अन्य पैंशनर्ज मौजूद रहे।

लोगों को बताईं कामगार बोर्ड की योजनाएं

मंडी : डलाह में शिविर के दौरान कामगार बोर्ड की सदस्य लता ठाकुर व अन्य।

पाली व डलाह में कामगारों के कल्याण के लिए बांटी जानकारी

मंडी, 7 फरवरी (अनिल): भवन एवं सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के तत्वावधान में मंडी साक्षरता व जन विकास समिति द्वारा सोमवार को द्रंग विकास खंड की पाली पंचायत में कामगारों के पंजीकरण बारे एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पंचायत प्रधान दया स्वरूप ने की। इसके साथ ही डलाह पंचायत में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत डलाह में जागरूकता शिविर का शुभारंभ कामगार कल्याण बोर्ड की सदस्य लता ठाकुर द्वारा किया गया।

इस मौके पर समिति के कन्वीनर और जिला स्रोत व्यक्ति एन.आर. ठाकुर ने 150 से अधिक प्रतिभागियों को कामगारों व मजदूरों के पंजीकरण के महत्व और मिलने वाली आर्थिक सुविधाओं की जानकारी दी। ठाकुर ने कहा कि कामगार बोर्ड द्वारा कामगारों के लिए 13 कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई हैं जिनका सीधा लाभ पंजीकृत सदस्य को मिलेगा। जैसे बच्चों की शादी के लिए 51000 रुपए, शिक्षा के लिए 8400 से 1.20 लाख रुपए प्रति वर्ष, प्रसूता महिला के लिए 25000 रुपए व प्रसूति अवकाश, बीमारी पर 50 हजार से 5 लाख तक, दुर्घटना में मौत होने पर 4 लाख और प्राकृतिक मौत होने पर 2 लाख तक, मुख्यमंत्री आवास योजना में पहले से मिली हुई राशि के अतिरिक्त 1.50 लाख तक देने की सुविधा आदि का प्रावधान है। इस मौके पर पंचायत प्रधान दया स्वरूप, बी.डी.सी. सदस्य कृपाल, उपप्रधान अजीत व गीता आदि ने भी अपने विचार रखे।

जिल्हण में भवन निर्माण कामगार बोर्ड में 60 ने करवाया पंजीकरण

जोगिंद्रनगर (वेद): ग्राम पंचायत जिल्हण में हिमाचल प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कामगार बोर्ड द्वारा मंडी साक्षरता समिति एवं जन विकास समिति के तत्वावधान से एकदिवसीय शिविर आयोजित किया गया जिसमें स्रोत व्यक्ति खेम सिंह ठाकुर ने कार्यक्रम बारे जानकारी दी। खंड समन्वयक लता गोस्वामी ने बताया कि इस कैंप में मनरेगा मजदूरों, महिला मंडल एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने भाग लिया। कैंप में सभी पंचायत प्रतिनिधि, उपप्रधान सुखराम, वार्ड सदस्य तोलू राम, पूजा कुमारी, जोगिंद्र सिंह व सुनीता देवी ने भाग लिया। जिला साक्षरता समिति से महासचिव भीम सिंह ठाकुर ने 60 लोगों का कामगार बोर्ड में पंजीकरण किया तथा श्रम विभाग से जुड़ी जानकारियां दीं।

कामगारों के कल्याण के लिए सरकार ने चलाई हैं कई योजनाएं : एनआर ठाकुर

हिमाचल दस्तक ■ पधर

भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के तत्वावधान में मंडी साक्षरता व जनविकास समिति द्वारा शुक्रवार को द्रंग विकास खंड की कधार पंचायत में कामगारों के पंजीकरण बारे एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पंचायत प्रधान अनीता देवी ने की।

■ कधार में हुआ जागरूकता कैंप का आयोजन

इस मौके पर समिति के कनवीनर और जिला स्रोत व्यक्ति एनआर ठाकुर ने 100 से अधिक प्रतिभागियों को कामगारों या मजदूरों के पंजीकरण के महत्व और मिलने वाली आर्थिक सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार और कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा कामगारों की भलाई के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं लेकिन जानकारी के अभाव के चलते हम उन सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि पंजीकरण क्यों जरूरी है, इसमें कौन लोग पंजीकृत होंगे, पंजीकरण कैसे किया जाएगा, पंजीकरण कहां और कब होगा तथा पंजीकृत सदस्य को कौन कौन से आर्थिक लाभ मिलेंगे, इस बारे सबको जानना जरूरी है। ठाकुर ने कहा कि कामगार बोर्ड द्वारा कामगारों के लिए 13 कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई है, जैसे बच्चों की शादी के लिए 51000 रुपए, शिक्षा के लिए 84 सौ से 1.20 लाख रुपए प्रति वर्ष, प्रसुता महिला के लिए 25000 रुपए व प्रसूति अवकाश, बीमारी पर 50 हजार से 5 लाख तक, दुर्घटना में मौत होने पर 4 लाख और प्राकृतिक मौत होने पर 2 लाख तक, मुख्यमंत्री आवास योजना में पहले से मिली हुई राशि के अतिरिक्त 1.50 लाख तक देने की सुविधा आदि का प्रावधान है।

इस मौके पर पंचायत उपप्रधान नानकचंद, साक्षरता को ऑर्डिनेटर चरणजीत, हिमा देवी आदि ने भी अपने विचार रखे। ऐसा ही एक जागरूकता कैंप ग्राम पंचायत बड़ीधार में भी आयोजित किया गया, जिसमें 120 लोगों ने शिरकत की। यहां रिसोर्स पर्सन नरपत राम वर्मा और पंचायत प्रधान यादवेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को इन योजनाओं की जानकारी दी।

मजदूरों की नई आस 13 योजनाएं

बह पंचायत में एनआर ठाकुर ने लोगों को दी जानकारी

स्टाफ रिपोर्टर- पद्धर

हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा चलाई जा रही 13 आर्थिक योजनाएं कामगारों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए नई उम्मीद साबित होगी।यह बात मंडी साक्षरता एवं जनविकास समिति के कनवीनर व रिसोर्स पर्सन एन आर ठाकुर ने बह पंचायत में आयोजित एक जागरुकता शिविर के दौरान कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत प्रधान पीर सहाय ने की।इस कैंप में 150 के करीब लोगों ने हिसा लिया।ठाकुर ने कहा की मनरेगा और निर्माण मजदूरों के बच्चों को पढ़ाई के पहली से आठवीं कक्षा तक पढ़ने वाले लड़के व लड़की को 8400 रूपए वार्षिक सहायता राशि मिलेगी । 9वीं से 12वीं कक्षा तक 12000 वार्षिक तथा बीए बीएससी, बीकॉम या इसके समकक्ष शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों को 36000 रुपए मिलेंगे स्नातकोत्तर डिग्री करने वालों को 60000 वार्षिक तथा 1 या 2 साल का डिप्लोमा कोर्स करने वाले बच्चों को 48000 तथा पॉलिटेक्निक करने वाले बच्चों को 60000 वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। प्रधान पीर सहाय और ललिता ने भी संबोधित किया।

कामगार बोर्ड में करवाएं पंजीकरण

मंडी : बह पंचायत में आयोजित जागरूकता शिविर में भाग लेने वाले ग्रामीणों के साथ एन.आर. ठाकुर। (रजनीश)

मंडी, 14 फरवरी (रजनीश): हिमाचल प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा चलाई जा रहीं 13 आर्थिक योजनाएं कामगारों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए नई उम्मीद साबित होंगी। यह बात मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के कन्वीनर व रिसोर्स पर्सन एन.आर. ठाकुर ने बह पंचायत में आयोजित जागरूकता शिविर के दौरान कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत प्रधान पीर सहाय ने की।

उन्होंने कहा कि मनरेगा और निर्माण मजदूरों के पहली से 8वीं कक्षा तक पढ़ने वाले बच्चों को 8,400, 9वीं से 12वीं कक्षा तक 12,000 व बी.ए., बी.एससी./बी.कॉम. या इसके समकक्ष शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों को 36,000 रुपए वार्षिक मिलेंगे। इसके अलावा स्नातकोत्तर डिग्री करने वालों को 60,000, 1-2 साल का डिप्लोमा/कोर्स करने वाले बच्चों को 48,000 व पॉलीटैक्नीक करने वालों को 60,000 रुपए वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। इसके अलावा इंजीनियरिंग या एम.बी.बी.एस. और पीएच.डी. तथा रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों को 1,20,000 रुपए वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। इसके अलावा होस्टल में रहने वाले बच्चों को 15,000 से 20,000 रुपए वार्षिक मिलेंगे।

भवन, मनरेगा व अन्य निर्माण कार्यों में लगे कामगारों को पंजीकरण के बाद यह सहायता राशि प्राप्त होगी। एन.आर. ठाकुर ने बताया कि राज्य श्रमिक कल्याण बोर्ड से 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग का कोई महिला व पुरुष भवन निर्माण या किसी अन्य निर्माण कार्य में 1 वर्ष में न्यूनतम 90 दिन की मजदूरी करने की एवज पर सदस्य बन सकता है और पंजीकृत मजदूर के 2 बच्चों की पढ़ाई के लिए यह सहायता राशि प्रदान की जाती है। इस मौके पर प्रधान पीर सहाय और को-ऑर्डीनेटर ललिता ने भी संबोधित किया। शिविर में 150 के करीब लोगों ने हिस्सा लिया।

जोगिंद्रनगर : ग्राम पंचायत जिमजिमा में जागरूकता शिविर में उपस्थित लोग। (अमिता)

जिमजिमा में कामगारों के पंजीकरण बारे जागरूकता शिविर लगाया

जोगिंद्रनगर (अमिता): भवन एवं सन्निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के तत्वावधान में मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति मंडी द्वारा सोमवार को ग्राम पंचायत जिमजिमा में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता विधायक प्रकाश राणा ने की। समिति के संयोजक और जिला स्रोत व्यक्ति खेम सिंह ठाकुर ने कामगार बोर्ड में पंजीकरण के महत्व और मिलने वाली आर्थिक सुविधाओं की जानकारी दी। शिविर में जिला परिषद सदस्य विजय भाटिया, पंचायत प्रधान नीतू देवी, उपप्रधान राजकुमार, रमा ठाकुर, सुशीला कुमारी, विजय कुमार, भगत राम, रुकमणी देवी, चंडी देवी, सुमा देवी व बी.डी.सी. सदस्य मीना देवी ने भाग लिया।

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की ब्लॉक को-ऑर्डीनेटर कुमारी लता गोस्वामी ने द्रंग विकास खंड की 45 पंचायतों में चल रहे श्रमिक एवं भवन कल्याण बोर्ड द्वारा जागरूकता शिविरों बारे चर्चा की।

नाम परिवर्तन

मैं राजमल पुत्र चणु राम निवासी बड़ीझरवाड डाकघर बरोट उपतहसील टिकत जिला मंडी घोषणा करता हूं कि मेरी जन्मतिथि ग्राम पंचायत खलैहल के रिकार्ड में 10.01.1965 गलत दर्ज है। जबकि मेरी जन्मतिथि आधार कार्ड व अन्य सभी दस्तावेजों में 18.01.1966 है, जोकि सही है। पंचायत रिकार्ड में मेरी जन्मतिथि 10.01.1965 की जगह 18.01.1966 दर्ज की जाए। सभी संबंधित नोट करें।

मजदूरों की नई उम्मीद श्रमिक कल्याण बोर्ड की 13 योजनाएं : एनआर ठाकुर

कुल्लू, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश भवन एवम अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा चलाई जा रही 13 आर्थिक योजनाएं कामगारों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए नई उम्मीद साबित होगी। यह बात मंडी साक्षरता एवं जनविकास समिति के कनवीनर व रिसोर्स पर्सन एनआर ठाकुर ने बह पंचायत में आयोजित एक जागरुकता शिविर के दौरान कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत प्रधान पीर सहाय ने की। ठाकुर ने कहा कि मनरेगा और निर्माण मजदूरों के बच्चों को पढ़ाई के पहली से आठवीं कक्षा तक पढ़ने वाले लड़के व लड़की को 8400 रूपए वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। 9वीं से 12वीं कक्षा तक 12000 वार्षिक तथा बीए/ बीएससी/ बीकॉम या इसके समकक्ष शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों को 36000 रुपए मिलेंगे। स्नातकोत्तर डिग्री करने वालों को 60000 वार्षिक तथा 1 या 2 साल का डिप्लोमा कोर्स करने वाले बच्चों को 48000 तथा पॉलिटेक्निक करने वाले बच्चों को 60000 वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। इंजीनियरिंग या एमबीबीएस और पीएचडी तथा रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों को 120000 वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। इसके अलावा हॉस्टल में रहने वाले बच्चों को 15 से 20000 वार्षिक मिलेगा। भवन, मनरेगा व अन्य निर्माण कार्य में लगे कामगारों को पंजीकरण के बाद यह सहायता राशि प्राप्त होगी। राज्य श्रमिक कल्याण बोर्ड से 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग का कोई महिला व पुरुष भवन निर्माण या किसी अन्य निर्माण कार्य में 1 वर्ष में न्यूनतम 90 दिन की मजदूरी करने की एवज पर सदस्य बन सकता है और पंजीकृत मजदूर के दो बच्चों की पढ़ाई के लिए यह सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त अन्य योजनाओं में बच्चों की शादी, प्रसूति, मृत्यु, आवास, दाह संस्कार आदि के लिए भी पैसा मिलेगा। असंगठित क्षेत्र में बेलदारी या मिस्त्री का काम करने वाले तथा मनरेगा मजदूर बोर्ड के सदस्य बन सकते हैं। इस मौके पर प्रधान पीर सहाय और कॉर्डिनेटर ललिता ने भी संबोधित किया।

मजदूरों की नई उम्मीद, श्रमिक कल्याण बोर्ड की 13 योजनाएं : एनआर ठाकुर

- **बह पंचायत में आयोजित लगाया जागरुकता शिविर**

बह पंचायत में आयोजित एक जागरुकता शिविर के दौरान प्रतिभागी।

मंडी, 14 फरवरी (ब्यूरो) : हिमाचल प्रदेश भवन एवम अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा चलाई जा रही 13 आर्थिक योजनाएं कामगारों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए नई उम्मीद साबित होगी। मंडी साक्षरता एवं जनविकास समिति के कनवीनर व रिसोर्स पर्सन एन.आर. ठाकुर ने बह पंचायत में आयोजित एक जागरुकता शिविर के दौरान कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत प्रधान पीर सहाय ने की। इस कैंप में 150 के करीब लोगों ने हिसा लिया। एनआर ठाकुर ने कहा की मनरेगा और निर्माण मजदूरों के बच्चों को पढ़ाई के पहली से आठवीं कक्षा तक पढ़ने वाले लड़के व लड़की को 8400 रूपए वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। वहीं पर 9वीं से 12वीं कक्षा तक 12000 वार्षिक तथा बीए, बीएससी, बीकॉम या इसके समकक्ष शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों को 36000 रुपए मिलेंगे। स्नातकोत्तर डिग्री करने वालों को 60000 वार्षिक तथा एक या दो साल का डिप्लोमा कोर्स करने वाले बच्चों को 48000 तथा पॉलिटेक्निक करने वाले बच्चों को 60000 वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। उसी प्रकार इंजीनियरिंग या एमबीबीएस और पीएचडी तथा रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों को 120000 वार्षिक सहायता राशि मिलेगी। इसके अलावा हॉस्टल में रहने वाले बच्चों को 15 से 20000 वार्षिक मिलेगा। भवन, मनरेगा व अन्य निर्माण कार्य में लगे कामगारों को पंजीकरण के बाद यह सहायता राशि प्राप्त होगी।ठाकुर ने बताया कि राज्य श्रमिक कल्याण बोर्ड से 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग का कोई महिला व पुरुष भवन निर्माण या किसी अन्य निर्माण कार्य में 1 वर्ष में न्यूनतम 90 दिन की मजदूरी करने की एवज पर सदस्य बन सकता है और पंजीकृत मजदूर के दो बच्चों की पढ़ाई के लिए यह सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त अन्य योजनाओं में बच्चों की शादी,प्रसूति, मृत्यु,आवास, दाह संस्कार आदि के लिए भी पैसा मिलेगा। बुढ़ापा, विधवा और विकलांगता पैंशन का भी प्रावधान है।उन्होंने बताया कि असंगठित क्षेत्र में बेलदारी या मिस्त्री का काम करने वाले तथा मनरेगा मजदूर बोर्ड के सदस्य बन सकते हैं। इस मौके पर प्रधान पीर सहाय और कॉर्डिनेटर ललिता ने भी संबोधित किया।

ग्राम पंचायत जिमजिमा में कामगारों के पंजीकरण बारे जागरूकता शिविर आयोजित

जोगिंदरनगर। भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के तत्वाधान में मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति मंडी द्वारा आज उपमंडल की ग्राम पंचायत जिमजिमा में कामगारों के पंजीकरण बारे एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता स्थानीय विधायक प्रकाश राणा ने की। इस अवसर पर विधायक प्रकाश राणा ने आए हुए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा जो योजनाएं चलाई जा रही हैं इसका पूरा पूरा फायदा अपने पंचायत प्रतिनिधियों, लोकमित्र केंद्रों और मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के कार्यकर्ताओं की मदद से पूर्ण लाभ लें ताकि हर घर तक यह योजना सफल रूप में पहुंच सके।राणा ने कहा की गरीब लोगों के लिए हिमाचल सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं वरदान सिद्ध होंगी। जिससे हमारी बीमारी पढ़ाई शादी इत्यादि सभी जरूरतें पूरी होंगी और सभी कामगारों को कहा कि पंचायत स्तर पर जो भी मनरेगा कामगार या अन्य कामगार है सभी लोग अपने 90 दिन पूर्ण करके इस योजना का पूरे पूरे रूप में लाभ उठाएं। इस मौके पर समिति के कन्वीनर और जिला स्त्रोत व्यक्ति खेम सिंह ठाकुर ने लोगों को इस जागरूकता कैंप में पंजीकरण के महत्व और मिलने वाली आर्थिक शिवर में सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस शिविर में जिला परिषद सदस्य विजय भाटिया पंचायत प्रधान नीतू देवी, उप प्रधान राजकुमार,रमा ठाकुर, सुशीला कुमारी, विजय कुमार, भगत राम, रुकमणी देवी, चंडी देवी, सुमा देवी, बीडीसी सदस्य मीना देवी ने भाग लिया। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कुमारी लता गोस्वामी ने द्रंग विकासखंड की 45 पंचायतों में चल रहे श्रमिक एवं भवन कल्याण बोर्ड द्वारा जागरूकता कैंपों के सफल आयोजन बारे चर्चा की।

श्रमिक कल्याण बोर्ड की योजनाओं की दी जानकारी

जोगिंद्रनगर (मंडी)। भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के तत्वावधान में मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने जिमजिमा पंचायत में शिविर आयोजित किया। इसकी अध्यक्षता विधायक प्रकाश राणा ने की। समिति समन्वयक एवं स्रोत व्यक्ति खेम सिंह ठाकुर ने कामगारों को प्रदेश सरकार की कामगारों के लिए चलाई जा योजनाओं और उनके लाभ के बारे में जानकारी दी। कामगारों का पंजीकरण कहां हो, कैसे हो और कामगारों की पात्रता के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि अधूरी जानकारी के बिना लोगों को कार्य योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। इसलिए जागरूकता कैंप में 90 दिन पूर्ण करने वाला प्रत्येक मनरेगा या निजी क्षेत्र में कार्य करने वाला कामगार अपना पंजीकरण श्रम कल्याण बोर्ड मंडी में करवा सकते हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही 13 योजनाओं का पूर्ण लाभ ले सकते हैं। विधायक प्रकाश राणा ने लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य विजय भाटिया, पंचायत प्रधान नीतू देवी, उपप्रधान राजकुमार, रमा ठाकुर, सुशीला, विजय कुमार, भगत राम, रुकमणी, चंडी देवी, सुमा देवी, बीडीसी सदस्य मीना देवी व खंड समन्वयक लता गोस्वामी भी मौजूद रहीं। -संवाद

मजदूरों के लिए वरदान साबित होगी श्रमिक कल्याण योजनाएं

उरला और चुकू में लगे जागरुकता शिविर में बोले एनआर ठाकुर

मंडी, 15 फरवरी (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश भवन एवम अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड ने कामगारों की भलाई के लिए कई आर्थिक योजनाएं शुरू की है। यह बात मंडी साक्षरता एवं जनविकास समिति के कन्वीनर और रिसोर्स पर्सन एन आर ठाकुर ने द्रंग खंड की उरला और चुकू पंचायतों में जागरुकता शिविरों के दौरान कही। ठाकुर ने कहा कि श्रमिक कल्याण बोर्ड के पास पंजीकृत मजदूरों के बच्चों की पहली कक्षा से पीएचडी तक की शिक्षा ग्रहण करने के लिए कई आर्थिक योजनाएं हैं। जिनका लाभ उठाकर कामगार अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया करवा सकते हैं।

उन्होंने कहा की कामगार कल्याण बोर्ड के पास पंजीकृत होने के लिए किसी भी कामगार को 90 दिन कार्य करने का प्रमाणपत्र अनिवार्य है। यह कार्य किसी निजी क्षेत्र में भी किया हो सकता है। इसके बाद संबंधित मजदूर बोर्ड की वैबसाइट पर या श्रमिक कार्यालय में जाकर अपना पंजीकरण करा सकता है।पंजीकृत कामगार को 13 आर्थिक योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त करने का हक होगा जिनमें शादी,प्रसूता,बीमारी, मृत्यु,बच्चों की शिक्षा,पेंशन,आवास निर्माण आदि योजनाएं शामिल है।

ठाकुर ने इससे जुड़े सभी पहलुओं की विस्तृत जानकारी देते हुए शर्मिकों को बताया की पंजीकरण किसका होगा, ये क्यों जरूरी है,इसमें क्या आर्थिक लाभ मिलेंगे,कब,कैसे और कहां मिलेंगे आदि विषयों पर खूल कर चर्चा की।उरला में 100 और चुकू में में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।शिविर की अध्यक्षता उरला में पंचायत प्रधान ममता देवी, चुकू में प्रधान मनसा राम ने की। इज मौके प्रधान ममता और मनसा राम तथा जिला परिषद सदस्य रवि कांत, कोऑर्डीनेटर हिमा देवी, चरणजीत सिंह ने भी इस अपने विचार रखे।

सूचना
आयोजक :- हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड, शिमला
आयोजक संस्था :- मण्डी साहारा एवं जन विकास समिति, मण्डी (हि.प्र.)

महिला समूहों को माइक्रो फाइनांस और 1500 समूहों के गठन के लिए सम्मान

मंडी की संस्था को प्रथम पुरस्कार

- नौ फरवरी को मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर करेंगे सम्मानित
- नाबार्ड ने किया ऐलान

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-मंडी

प्रदेश की अग्रणी स्वयंसेवी संस्था मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को नाबार्ड की ओर से राज्य के प्रथम पुरस्कार से नवाजा जाएगा। यह पुरस्कार मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कर कमलों से आगामी नौ फरवरी को प्रदान किया जाएगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को यह पुरस्कार महिला स्वयं सहायता समूहों को माइक्रो फाइनांस के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने और नाबार्ड की परियोजना के तहत 1500

समूहों को बैंक लिंकेज करने के लिए प्रदान किया जा रहा है। नाबार्ड की ओर से मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को बेहतर आंकते हुए राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार देने का ऐलान किया। समिति के अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य और महासचिव भीम सिंह का कहना है कि यह सब समिति के हजारों कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से संभव हुआ है। इसके अलावा समिति की ओर से संयुक्त देयता समूहों को बनाना, मनरेगा मजदूरों से रोजगार अप्लाई करवाना, दस्तकारों का सर्वे करना उनके लिए थाची क्लस्टर, हल्दी परियोजना, सूक्ष्म उद्यमियता विकास कार्यक्रम आजीविका कार्यक्रम चलाया गया।

दैनिक संध्या अखबार (डिजिटल संस्करण)

मण्डी

खबरनामा

.....सही खबर आप तक

मण्डी, 24 फरवरी, 2022, फाल्गुन, कृष्ण पक्ष–8, 2078

कामगारों के लिए श्रमिक कल्याण बोर्ड की योजनाएं हो सकती है वरदान साबित

मंडी साक्षरता समिति ने योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए तैयार की डाक्युमेंटरी

• **बीरबल शर्मा** । मंडी

हिमाचल प्रदेश एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत कामगारों केलिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी बारे मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा दी जा रही है। समिति ने द्रंग खंड की समस्त 45 ग्राम पंचायतों का सफर पूरा किया है। लोगों में इन योजनाओं के प्रति जागरुकता लाने के लिए समिति की ओर से विशेष डाक्यूमेंटरी बनाई गई है। जिसमें नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों के बीच जानकारी देने का प्रयास किया जा रहा है। इस सिलसिले में हाल ही में समिति की ओर से स्थानीय कलाकारों के साथ वीडियो फिल्मांकन मझवाड़ के साथ लगते सायरी गांव में किया गया।

मंडी साक्षरता समिति शैक्षणिक उप समिति के अध्यक्ष मुरारी शर्मा ने बताया कि इस वृतचित्र में श्रम कल्याण बोर्ड की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लोकनाटय बांठड़ा शैली में कलाकारों द्वारा अभिनय और संवाद अदायगी की गई है। वीरवार को द्रंग खंड की सियून ग्राम पंचायत में जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रधान ग्राम पंचायत सियुन नागेश्वरी देवी द्वारा की गई। कार्यक्रम में जिप सदस्य रविकांत, पंचायत समिति सदस्य लेख राज, पंचायत सचिव सहित 120 लोगों ने भाग लिया। पंजीकरण हेतु 50 कामगारों ने नाम दर्ज करवाये। समिति के स्रोत व्यक्ति एनआर ठाकुर व जिला कार्यक्रम समन्वयक सेवक राम ठाकुर द्वारा बोर्ड द्वारा चलाई जा रही 13 प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं बारे विस्तृत जानकारी दी गई। पंजीकरण कैसे करें, इसके लिये आवश्यक दस्तावेज व अन्य संपूर्ण प्रक्रिया बारे भी विस्तृत जानकारी लोगों को दी गई। पंजीकरण कैसे करें, इसके लिये आवश्यक दस्तावेज व अन्य संपूर्ण प्रक्रिया बारे भी विस्तृत जानकारी लोगों को दी गई।

डाक्यूमेंटरी की शूटिंग के दौरान अभिनय करते कलाकार।

2000 कामगारों ने करवाया पंजीकरण...

समिति के जिला कार्यक्रम समन्वयक सेवक राम ठाकुर ने बताया कि 7 फरवरी 2022 को डलाह (पधर) ग्राम पंचायत से इस जागरूकता सफर की शुरूआत करते हुये पूरे द्रंग खंड की 45 पंचायतों में शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किए गए। इन शिविरों में 45 कार्यक्रमों में कुल 5500 के करीब कामगारों व अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा शिविरों में सभांवित इच्छुक पात्र 2000 के करीब कामगारों द्वारा श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकरण करवाने हेतु अपने नाम दर्ज करवाए। अभी तक जिला मंडी में 65000 के करीब कामगार श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत हुये हैं जिनमें से द्रंग खंड से मात्र 900 के करीब कामगारों का पंजीकरण हुआ है। इन शिविरों में जहां विभाग व जनप्रतिनिधियों, महिला मंडल, स्वयं सहायता समूहों व समिति के कार्यकर्ताओं के प्रयासों से अच्छी जन भागीदारी रही।